जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल की अध्यक्षता में दिनांक 14.02.2023 को जिला कार्यालय सभागार, पौड़ी में आहूत जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति की द्वितीय अद्धवार्षिक बैठक का कार्यवृत्त।

शासनादेश संख्या 152/7–2 (टी0एस0जी0 बैठक)/2022–23 दिनांक 07.02.2023 के अनुपालन में दिनांक 14.02.2023 को जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति की द्वितीय अद्धवार्षिक बैठक का आयोजन जिला कार्यालय सभागार, पौड़ी में किया गया। जिसमें समिति के सदस्यों एवं परियोजना के कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनकी उपस्थिति निम्नानुसार है–

क्र0सं0	अधिकारी का नाम	पदनाम
1	सुश्री अपूर्वा पाण्डे	मुख्य विकास अधिकारी, पौड़ी/उपाध्यक्ष
2	श्री स्वपनिल अनिरूद्ध	प्रभागीय वनाधिकारी, गढ़वाल वन प्रभाग, पौड़ी/सदस्य
3	श्री अमरेन्द्र चौधरी	मुख्य कृषि अधिकारी, पौड़ी/सदस्य
4	श्री डी0एस0 बिष्ट	मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पौड़ी/सदस्य
5	श्री मुकेश दत्त	अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई, पौड़ी/सदस्य
6	श्री भूपेन्द्र सिंह	जिला प्रबन्धक, नाबार्ड, पौड़ी/सदस्य
7	श्री अनिल कुमार	प्रबन्धक, अग्रणी बैंक, पौड़ी/सदस्य
8	डॉ0 जे0सी0 पाण्डे	जलागम प्रबन्ध निदेशालय के प्रतिनिधि
9	डॉ0 विकास वत्स	जलागम प्रबन्ध निदेशालय के प्रतिनिधि
10	श्रीमती आशा रावत	प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी
11	श्री विद्यादत्ता रतूड़ी	सहायक खण्ड विकास अधिकारी जयहरीखाल
12	श्री राजीव कुमार	निरीक्षक रेशम विभाग
13	श्री बचन सिंह बिष्ट	ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत मल्ला बनास
14	श्रीमती अंजू देवी	ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत रामजीवाला
15	श्री प्रहलाद सिंह	ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत धारकोट
16	श्री सत्यपाल सिंह	ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत दिवोगी
17	श्री संजीव सिंह	ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत तिमल्याणी

सर्वप्रथम उप परियोजना निदेशक/सदस्य सचिव, जैफ–6, पौड़ी द्वारा प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् अध्यक्ष महोदय के निर्देशानुसार उप परियोजना निदेशक द्वारा जैफ–6, ग्रीन ए0जी0, परियोजना का संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसमें परियोजना के उद्देश्यों, संस्थागत ढांचा एवं अंतिम परिणामों से सदस्यों को परिचित कराया गया। उनके द्वारा परियोजना की मूल भावना के अनुरूप विभिन्न रेखीय विभागों को एक मंच पर लाते हुए ग्रीन एग्रीकल्चर परियोजना के चार महत्वपूर्ण स्तम्भों जैव–विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन अनुकूल कृषि, सतत् भूमि प्रबन्धन एवं सतत् वन प्रबन्धन के माध्यम से वैश्विक पर्यावरणीय लाभों को प्राप्त करने हेतु साझा प्रयासों के साथ कार्य करने पर बल दिया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन कम करने तथा संवेदनशील जैव विविधता के चिन्हीकरण तथा थ्रेट इंडेक्स को 10% कम करने की सही एवं स्पष्ट स्ट्रेटजी उच्च स्तर से बनायी जाए, जिससे वास्तविक रूप में उसके उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

उप परियोजना निदेशक, जैफ–6 द्वारा परियोजना की प्रगति से समिति को अवगत कराया गया कि परियोजना के उच्च वरीयता क्रम के चयनित 36 ग्राम पंचायतों के 99 गांवों में हाउसहोल्ड सर्वे मैनुअल एवं सैम्पल टैब सर्वे, कम्युनिटी कंसल्टेशन कार्यशाला, ग्राम क्रियान्वयन समिति का गठन एवं 36 ग्राम पंचायत विकास योजना का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

वन्य जीव संस्थान, देहरादून की संस्तुतियों पर अध्यक्ष महोदय द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में बाजार मांग संबंधित आजीविका गतिविधियों पर कार्य करने का निर्देश दिया गया, साथ ही लैंसडाउन में

टूरिज्म की सम्भावना को ध्यान में रखते हुये दुगड्डा ब्लॉक में फूलों की खेती व नर्सरी मॉडल विकसित करने का सुझाव दिया गया। इसी के साथ लेमन ग्रास, कैमोमाइल की खेती करवाने से पूर्व buy back की गारंटी सुनिश्चित करने तथा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व किसानो व खरीदार के बीच अनुबंध करने हेतु निर्देशित किया गया।

उप परियोजना निदेशक द्वारा लैंटाना उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में बताते हुये कहा गया कि परियोजना द्वारा क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरनमेंटल लाइवलीहुड सॉल्यूशन फर्म, देहरादून के साथ ग्रामीणों से लैंटाना खरीदने के लिये प्रयास किया गया जिसमें उक्त फर्म द्वारा किसानो से रू0 200 प्रति कुन्तल लैंटाना खरीदा जायेगा। इस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि परियोजना किसानो एवं फर्म के बीच मेंटर के रूप में रहकर कार्य को प्रारम्भ कर सकती है किन्तु इससे पूर्व संस्था के वित्तीय साख से संतुष्ट हो लिया जाय।

उप परियोजना निदेशक द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें 36 ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत विकास योजनाओं की गतिविधियों पर रेखीय विभागों एवं परियोजना के द्वारा किये जाने गतिविधियों पर चर्चा की गयी। इस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल गतिविधियों में रेखीय विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जैफ परियोजना के द्वारा किये जाने वाले कार्यों पर मुख्य विकास अधिकारी तथा प्रभागीय वनाधिकारी पौड़ी के साथ चर्चा कर अंतिम रूप दिया जाय।

(डॉ0 सिद्धार्थ शंकर श्रीवास्तव)
उप परियोजना निदेशक, जैफ–6
पौड़ीगढ़वाल

अवलोकित

जिलाधिकारी पौड़ी गढ़वाल/
अध्यक्ष, जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति